ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

उदयपुर, गुरूवार 07 मई 2026

वर्ष 3 अंक 32

सत्ता संग्राम चरम पर: राज्यपाल ने बंगाल विधानसभा भंग की, तमिलनाडु में राज्यपाल ने विजय से मांगा 118 विधायकों का समर्थन

AIADMK के 28 विधायक पुडुचेरी शिफ्ट, DMK-AIADMK बैकचैनल चर्चा की अटकलें तेज

24 न्यूज अपडेट

कोलकाता/चेन्नई। देश की राजनीति में गुरुवार को बड़ा भूचाल देखने को मिला। पश्चिम बंगाल में चुनावी नतीजों के बाद पैदा हुए संवैधानिक संकट के बीच राज्यपाल आर.एन. रवि ने विधानसभा भंग करने का नोटिफिकेशन जारी कर दिया। इसके साथ ही ममता बनर्जी सरकार प्रभावहीन हो गई। दूसरी ओर तमिलनाडु में सरकार गठन को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। अभिनेता विजय की पार्टी को बहुमत साबित करने के लिए राज्यपाल ने 118 विधायकों का समर्थन दिखाने को कहा है।

पश्चिम बंगाल में बुधवार को ममता बनर्जी द्वारा इस्तीफा नहीं देने के बयान के बाद घटनाक्रम तेजी से बदला। गुरुवार शाम लोकभवन से विधानसभा भंग करने की अधिसूचना जारी कर दी गई। राजनीतिक गलियारों में इसे बड़ा संवैधानिक कदम माना जा रहा है। विधानसभा भंग होने के बाद अब राज्य सरकार के मंत्रियों की शक्तियां भी समाप्त हो गई हैं।

इधर बंगाल में राजनीतिक तनाव हिंसा में भी बदलता नजर आया। हावड़ा के शिवपुर इलाके में भाजपा और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प की खबर सामने आई है। इससे पहले भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी, जिसके बाद भाजपा ने कानून-व्यवस्था को लेकर ममता सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

कोलकाता में भाजपा सरकार के संभावित शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां भी शुरू हो गई हैं। परेड ग्राउंड में मंच और सुरक्षा व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। भाजपा विधायक दल की बैठक शुक्रवार को प्रस्तावित है, जिसमें मुख्यमंत्री के नाम पर फैसला हो सकता है।

तमिलनाडु में अब गहरा गया सस्पेंस

उधर तमिलनाडु में भी सत्ता गठन को लेकर सस्पेंस गहरा गया है। 108 सीटें जीतने वाली अभिनेता विजय की पार्टी ने सहयोगी दलों के समर्थन का दावा किया है, लेकिन राज्यपाल ने स्पष्ट बहुमत के लिए 118 विधायकों का समर्थन पत्र पेश करने को कहा है। विजय खेमे के पास फिलहाल 113 विधायकों का समर्थन बताया जा रहा है। राज्य की राजनीति में नई हलचल तब बढ़ गई जब AIADMK ने अपने 28 विधायकों को पुडुचेरी के एक निजी रिसॉर्ट में शिफ्ट कर दिया। पार्टी महासचिव के. पलानीसामी देर शाम विधायकों से मिलने पहुंचे। इस बीच राजनीतिक गलियारों में DMK और AIADMK के बीच बैकचैनल बातचीत की चर्चाएं भी तेज हो गई हैं। सूत्रों के अनुसार एक फॉर्मूले पर चर्चा चल रही है, जिसमें AIADMK सरकार बनाए और DMK बाहर से समर्थन दे। हालांकि दोनों दलों की ओर से इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

केरल और असम में भी चुनावी नतीजों के बाद राजनीतिक बयानबाजी जारी रही। केरल में हार के बाद पिनराई विजयन ने जनादेश स्वीकार करते हुए यूडीएफ को बधाई दी, जबकि असम में एआईयूडीएफ प्रमुख बदरुद्दीन अजमल ने विपक्ष की स्थिति के लिए कांग्रेस की रणनीति को जिम्मेदार ठहराया। देश के पांच राज्यों के चुनाव परिणामों के बाद अब सियासी समीकरण तेजी से बदल रहे हैं और कई राज्यों में सत्ता गठन को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

चीन में भ्रष्टाचार पर सबसे बड़ा प्रहार: दो पूर्व रक्षा मंत्रियों को मौत की सजा

24 न्यूज अपडेट

बीजिंग। चीन में भ्रष्टाचार के खिलाफ राष्ट्रपति शी जिनपिंग की सबसे बड़ी कार्रवाई सामने आई है। चीन की सैन्य अदालत ने पूर्व रक्षा मंत्री ली शांगफू और वेई फेंगहे को भ्रष्टाचार के मामलों में मौत की सजा सुनाई है। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार दोनों पूर्व मंत्रियों को पहले दो वर्ष तक जेल में रखा जाएगा। यदि इस दौरान उनका व्यवहार संतोषजनक रहा और कोई नया अपराध सामने नहीं आया, तो सजा को आजीवन कारावास में बदला जा सकता है। चीन की कम्युनिस्ट सरकार की इस कार्रवाई ने दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है, क्योंकि पहली बार इतने वरिष्ठ सैन्य और राजनीतिक चेहरों पर इतनी कठोर कार्रवाई की गई है। दोनों नेताओं को वर्ष 2024 में सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था। पूर्व रक्षा मंत्री ली शांगफू को पिछले वर्ष अचानक पद से हटाया गया था। वह करीब दो महीने तक सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आए थे, जिसके बाद उनके खिलाफ कार्रवाई की अटकलें तेज हो गई थीं। अब चीन की सरकारी मीडिया ने पुष्टि की है कि उनके खिलाफ गंभीर भ्रष्टाचार और अनुशासनहीनता की जांच चल रही थी। चीनी सरकारी चैनल CCTV की रिपोर्ट के अनुसार ली शांगफू पर बड़े पैमाने पर रिश्वत लेने, दूसरों को रिश्वत देने और अपने पद का दुरुपयोग करने के आरोप साबित हुए हैं। जांच एजेंसियों का कहना है कि उनके कार्यों से चीन की सैन्य हथियार प्रणाली और रक्षा उपकरण विकास की छवि को भारी नुकसान पहुंचा। वहीं पूर्व रक्षा मंत्री वेई फेंगहे को भी सैन्य अदालत ने भ्रष्टाचार का दोषी माना है। उन पर रक्षा सौदों और सैन्य फैसलों में फायदा पहुंचाने के बदले रिश्वत लेने के आरोप लगे हैं। वेई फेंगहे चीन की रॉकेट फोर्स के कमांडर भी रह चुके हैं। यह फोर्स चीन की मिसाइल और परमाणु हथियार प्रणाली को नियंत्रित करती है। विशेषज्ञों के अनुसार यह कार्रवाई राष्ट्रपति शी जिनपिंग के लंबे समय से चल रहे भ्रष्टाचार विरोधी अभियान का हिस्सा है।

राजसमंद में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने 67 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का किया लोकार्पण-शिलान्यास

24 न्यूज अपडेट

राजसमंद। दिया कुमारी ने राजसमंद जिले के सांगठकला में आयोजित समारोह में 67 करोड़ रुपए से अधिक लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। कार्यक्रम स्थल पर उनके पहुंचते ही जेसीबी के माध्यम से पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया गया, जिससे समारोह का माहौल उत्साहपूर्ण हो गया। इस अवसर पर महिमा कुमारी मेवाड़, सुरेंद्र सिंह राठौड़, कार्यक्रम संयोजक एवं विधायक दीप्ति माहेश्वरी सहित कई जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण सांगठकला से सहाड़ा गंगापुर वाया साकरोदा, सुंदरचा, तासोल, खटामला और बिनोल तक 28.90 किलोमीटर लंबी सड़क के सुदृढ़ीकरण एवं चौड़ीकरण कार्य का शिलान्यास रहा। इस कार्य पर 47.96 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इसके अलावा पुठोल में 50 लाख रुपए की लागत से निर्मित नवीन पंचायत भवन का भी उद्घाटन किया गया।

अपने संबोधन में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि राज्य सरकार आमजन के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है तथा सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि "आजकल यहां आना थोड़ा कम हो गया है, क्योंकि मंच से बुलावे भी कम आने लगे हैं।" उनके इस बयान को स्थानीय विधायक की ओर इशारा माना गया, जिससे सभा में हल्की मुस्कान और चर्चा का माहौल बन गया।

वहीं विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने भी उसी अंदाज में जवाब देते हुए कहा, "उप मुख्यमंत्री जी, राजसमंद आपका अपना परिवार है और यह घर हमेशा आपका स्वागत करने के लिए तैयार है।"

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गंगेश्वर महादेव मंदिर में की पूजा-अर्चना

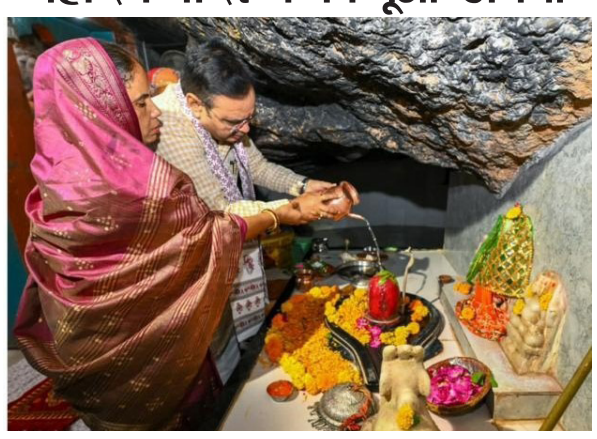

24 न्यूज अपडेट

निम्बाहेड़ा (कविता पारख)। भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को सपत्नीक बम्बोरी ग्राम पंचायत स्थित प्राचीन श्री गंगेश्वर महादेव मंदिर में दर्शन कर पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री ने मंदिर में विधिवत पूजा कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और मंगलकामना की। इस दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी रही।

उदयपुर के एमबी अस्पताल में भी शुरू हो इवनिंग ओपीडी, बढ़ती भीड़ और गर्मी में मरीज परेशान

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। महाराणा भूपाल चिकित्सालय में बढ़ती मरीजों की संख्या, लंबी कतारों और गर्मी के बीच बिगड़ती व्यवस्थाओं को देखते हुए अब इवनिंग ओपीडी शुरू करने की मांग तेज हो गई है। जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में शाम 5 से 7 बजे तक इवनिंग ओपीडी शुरू करने के फैसले के बाद उदयपुर में भी ऐसी व्यवस्था लागू करने की जरूरत महसूस की जा रही है।

गर्मी के मौसम में मौसमी बीमारियों के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। एमबी अस्पताल की ओपीडी में सुबह से ही लंबी कतारें लग रही हैं। कई मरीजों और परिजनों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। विशेष रूप से जनरल मेडिसिन विभाग में मरीजों की भारी भीड़ देखी जा रही है।

जयपुर में स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने एसएमएस अस्पताल का निरीक्षण कर मरीजों की भीड़ को देखते हुए इवनिंग ओपीडी शुरू करने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े लोगों का कहना है कि संभाग के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल एमबी हॉस्पिटल में भी इसी तरह की व्यवस्था लागू की जानी चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि शाम के समय इवनिंग ओपीडी शुरू होती है तो मरीजों का दबाव कम होगा, ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले मरीजों को राहत मिलेगी और डॉक्टरों पर भी अत्यधिक भार नहीं पड़ेगा। इससे मरीजों को इलाज के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। एमबी अस्पताल में वर्तमान में सुबह के समय ओपीडी के दौरान पर्ची काउंटर, जांच केंद्र और दवा वितरण केंद्रों पर भारी भीड़ रहती है। वहीं गर्मी के बीच वार्डों और प्रतीक्षालयों में पर्याप्त कूलिंग व्यवस्था नहीं होने से मरीजों और परिजनों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों और सामाजिक संगठनों का कहना है कि जयपुर की तर्ज पर उदयपुर के एमबी अस्पताल में भी शाम 5 से 7 बजे तक जनरल मेडिसिन की इवनिंग ओपीडी शुरू की जाए। साथ ही दवा काउंटर बढ़ाने, ब्लड सैंपल कलेक्शन में मैनपावर बढ़ाने और मरीजों के लिए पंखे, कूलर व पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने की आवश्यकता है।

उदयपुर संभाग के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल होने के कारण एमबी अस्पताल पर उदयपुर सहित बांसवाड़ा, डूंगरपुर, राजसमंद, चित्तौड़गढ़ और प्रतापगढ़ जिलों सहित आस पास के राज्यों के मरीजों का भी दबाव रहता है। ऐसे में बढ़ती मरीज संख्या को देखते हुए इवनिंग ओपीडी अब समय की जरूरत मानी जा रही है।

विदेशी पर्यटक कोटे में 'देसी खेल' का खुलासा: ट्रेन में विदेशी बनकर सफर कर रहे थे भारतीय यात्री, 121 पकड़े, 3.56 लाख जुर्माना

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। रेलवे में विदेशी पर्यटकों के लिए आरक्षित सीटों पर अब 'फर्जी विदेशी यात्रियों' का खेल सामने आया है। मध्य रेल ने विदेशी पर्यटक कोटे के दुरुपयोग पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 39 संदिग्ध मामलों का खुलासा किया है। जांच में 121 भारतीय यात्री बिना वैध दस्तावेजों के विदेशी पर्यटक कोटे में यात्रा करते पकड़े गए, जिनसे 3 लाख 56 हजार 916 रुपए जुर्माना वसूला गया। पूरा मामला तब सामने आया जब 4 फरवरी 2026 को ट्रेन संख्या 12296 संगमित्रा एक्सप्रेस में टिकट जांच के दौरान कुछ यात्री विदेशी पर्यटक कोटे के टिकट पर सफर करते मिले, लेकिन उनके पास विदेशी नागरिकों से जुड़े जरूरी दस्तावेज नहीं थे। शुरुआती शक ने रेलवे को बड़े रैकेट की तरफ इशारा दिया। इसके बाद मध्य रेल ने विदेशी पर्यटक कोटे में की गई भविष्य की बुकिंग का डेटा खंगाला। जांच में 24 अप्रैल से 11 जून 2026 के बीच 31 ट्रेनों में जारी 174 पीएनआर संदिग्ध मिले। रेलवे के टिकट चेकिंग स्टाफ ने विशेष अभियान चलाकर इन टिकटों की पड़ताल की तो 39 पीएनआर पूरी तरह नियमों के खिलाफ पाए गए। कार्रवाई के दौरान 121 यात्रियों को अनियमित तरीके से यात्रा करते पकड़ा गया। रेलवे ने न सिर्फ उनसे जुर्माना वसूला, बल्कि उनकी सीटें भी तुरंत निरस्त कर दीं। बाद में वे सीटें आरएसी और प्रतीक्षा सूची वाले यात्रियों को दे दी गईं। रेलवे अधिकारियों का मानना है कि यह खेल लंबे समय से चल रहा था, जिसमें कुछ लोग विदेशी पर्यटक कोटे का गलत इस्तेमाल कर कन्फर्म सीट हासिल कर रहे थे। अब जांच की सुई टिकट एजेंटों की तरफ भी घूम गई है। भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम से अतिरिक्त जानकारी मांगी गई है ताकि यह पता लगाया जा सके कि इन बुकिंग्स के पीछे कोई अधिकृत एजेंट या संगठित नेटवर्क तो सक्रिय नहीं था। रेलवे ने साफ किया है कि गलत कोटे में टिकट बुक करना रेलवे अधिनियम के तहत दंडनीय अपराध है। यात्रियों को उसी श्रेणी के वैध दस्तावेज साथ रखने होंगे, जिस कोटे में टिकट बुक कराया गया हो। रेल प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध बुकिंग या फर्जीवाड़े की जानकारी रेलवे हेल्पलाइन 139 या रेल मदद ऐप के जरिए तुरंत साझा करें।

संपादकीय : आतंक का साया

पंजाब में पिछले कुछ समय से आतंकी गतिविधियां जिस तरह से बढ़ रही हैं, वह बड़े खतरे की ओर इशारा करती हैं। बीते दस दिनों के भीतर राज्य में तीन बम धमाकों ने इस चिंता को और गहरा कर दिया है। अब तक की जांच- पड़ताल के निष्कर्षो की जो तस्वीर सामने आई है, उससे इस बात के साफ संकेत मिलते है कि उग्रवाद का कठिन दौर झेल चुके इस राज्य में खालिस्तान समर्थक आतंकी तंत्र फिर से सिर उठाने लगा है। जलंधर और अमृतसर में मंगलवार रात हुए दो सिलसिलेवार धमाकों ने राज्य की सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता और खुफिया चौकसी पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इन विस्फोटों की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि दोनों जगह सुरक्षा प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की कोशिश की गई। आतंक के इस तंत्र को लेकर सबसे बड़ी चुनौती यह है कि विभिन्न समूहों से जुड़े ज्यादातर आतंकी किसी आम नागरिक की तरह समाज में घुल-मिलकर रहते हैं, जिससे उनकी पहचान करना मुश्किल होता है। मौका मिलने पर वे अपने आकाओं के निर्देश पर हमला करने के लिए सक्रिय हो जाते हैं। गौरतलब है कि पंजाब के जलंधर में मंगलवार रात करीब आठ बजे सीमा सुरक्षा बल के पंजाब फ्रंटियर के मुख्यालय के बाहर विस्फोट हुआ। इसके बाद दूसरा धमाका रात करीब ग्यारह बजे अमृतसर में सैन्य छावनी के पास हुआ। जलंधर में हुए विस्फोट की जिम्मेदारी प्रतिबंधित संगठन खालिस्तान लिबरेशन आर्मी ने ली है और पुलिस ने भी इसकी पुष्टि की है। इससे पहले पटियाला के शंभू इलाके में 27 अप्रैल को एक मालगाड़ी की पटरी पर विस्फोट हुआ था। पुलिस ने इस सिलसिले में खालिस्तान समर्थक एक आतंकी गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया था । ये T घटनाएं खुफिया तंत्र की विफलता और सुरक्षा व्यवस्था में गंभीर खामी की ओर इशारा करती है। राज्य पुलिस का मानना है कि इन आतंकी वारदातों के पीछे पाकिस्तान की खुफिया एजंसी आइएसआइ का हाथ है। सीमा पार से खालिस्तान समर्थक आतंकी समूहों को प्रशिक्षण, विस्फोटक सामग्री और हथियार मुहैया कराए जा रहे हैं। मगर सवाल है कि सुरक्षा एजंसियां इस तरह की गतिविधियों पर नियमित नजर रखने और किसी भी वारदात से पहले ही आतंकियों को धर दबोचने में नाकाम क्यों हो रही हैं? पुलिस के मुताबिक, अमृतसर में विस्फोट स्थल पर आइईडी के टुकड़े मिले हैं, जिससे संकेत मिलता है कि यह या तो टाइम बम से किया गया विस्फोट था या फिर रिमोट कंट्रोल से धमाका किया गया। ऐसे में सुरक्षा प्रतिष्ठानों की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठना स्वाभाविक है। अगर सुरक्षाबलों के परिसर में ही चौकसी के बंदोबस्त इतने कमजोर हैं कि कोई भी वहां विस्फोटक सामग्री रख सकता है, तो फिर अन्य सार्वजनिक स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था का स्तर कैसा होगा, इसका अनुमान लगाना मुश्किल नहीं है। पंजाब में आतंकी तंत्र के फैलते दायरे का अंदाजा इससे लगाया जा सकता कि पिछले वर्ष जुलाई में सुरक्षा एजंसियों ने बब्बर खालसा इंटरनेशनल के तीन आतंकियों को गिरफ्तार किया था। इसके करीब तीन माह बाद ग्रेनेड हमले की साजिश में दस संदिग्धों को पकड़ा गया। इससे स्पष्ट है कि उग्रवाद के खात्मे के बाद शांति और समृद्धि की राह पर लौटे इस राज्य में आतंक का खतरा फिर से बढ़ता जा रहा है। अगर समय रहते स्थिति को नहीं संभाला गया, तो निस्संदेह राज्य में हालात फिर से बिगड़ सकते हैं।

लापरवाही का दायरा

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और इसके आस- पास के क्षेत्र में खुले नाले एवं पानी से भरे गड्ढे जानलेवा साबित हो रहे हैं। हाल के दिनों में एक के बाद एक हादसों के बावजूद शासन-प्रशासन के स्तर पर एहतियाती उपायों को लेकर कोई गंभीर प्रयास होते नजर नहीं आ रहे हैं। इसी लापरवाही के कारण दिल्ली के मुकुंदपुर इलाके में पिछले दिनों खुले नाले में गिरने से एक मासूम बच्ची की जान चली गई। इस मामले में सरकार की ओर से सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग में अनुबंध पर कार्यरत एक कनिष्ठ अभियंता को नौकरी से निकाल दिया गया। मगर सवाल है कि क्या निचले स्तर के कर्मियों पर इस तरह की कार्रवाई से व्यवस्था में सुधार हो पाएगा? इसमें दोराय नहीं कि नागरिकों की सुरक्षा और खासकर बच्चों को सुरक्षित वातावरण प्रदान करना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। मगर कर्तव्य में लापरवाही बरते जाने के मामलों में क्या संबंधित अधिकारियों की भी जवाबदेही तय नहीं की जानी चाहिए ! जब उच्चाधिकारी ही जन समस्याओं के समाधान पर ध्यान नहीं देंगे, तो निचले कर्मियों से क्या उम्मीद की जा सकती है। यह अक्सर देखने में आता है कि इस तरह के मामलों में या तो जिम्मेदारी ठेकेदारों पर डाल दी जाती है या फिर कार्रवाई के नाम पर निचले कर्मचारियों को निलंबित कर मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। मुकुंदपुर की घटना में भी कुछ ऐसा ही हुआ है। सवाल है कि इस क्षेत्र में खुले नाले को ऊपर से ढकने की जिम्मेदारी क्या सिर्फ अनुबंध पर कार्यरत कनिष्ठ अभियंता की ही थी, उच्च अधिकारियों का इससे कोई सरोकार नहीं था ? सड़क पर खुदाई के बाद पानी से भरे गड्ढों और नालों को खुला छोड़ देने का जोखिम विभागीय अधिकारियों को नजर क्यों नहीं आता ? दिल्ली सरकार का कहना है कि इस तरह की घटनाओं में लापरवाही बरतने पर अब जवाबदेही तय होगी, लेकिन इस बात पर भी गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि जब तक संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जाएगी, तब तक व्यवस्था में सुधार की उम्मीद धुंधली ही रहेगी। सरकार को चाहिए कि जलभराव वाली जगहों और खुले नालों की पहचान कर उन्हें तुरंत दुरुस्त किया जाए, ताकि लोगों की जान को किसी तरह का खतरा न हो ।

सोहराबुद्दीन के भाइयों की अपील खारिज, सभी 22 आरोपियों को बॉम्बे हाईकोर्ट ने किया बरी, विस्तृत आदेश बाद में जारी करेगा कोर्ट

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सोहराबुद्दीन शेख फर्जी एनकाउंटर मामला में 7 मई 2026 को बॉम्बे हाई कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाते हुए सभी 22 आरोपियों की बरी होने की कार्रवाई को बरकरार रखा। हाईकोर्ट ने सोहराबुद्दीन के भाइयों रुबाबुद्दीन शेख और नयाबुद्दीन शेख की अपीलें खारिज कर दीं। अदालत ने कहा कि ट्रायल कोर्ट के फैसले में हस्तक्षेप की जरूरत नहीं है। विस्तृत आदेश बाद में जारी किया जाएगा। इस मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंखाड़ की खंडपीठ ने की। अदालत ने दिसंबर 2018 में मुंबई की विशेष सीबीआई अदालत द्वारा दिए गए बरी करने के आदेश को सही माना।

क्या था पूरा मामला?

सीबीआई के अनुसार नवंबर 2005 में गुजरात एटीएस और राजस्थान पुलिस के कुछ अधिकारियों ने कथित तौर पर सोहराबुद्दीन शेख को बस से उतारकर हिरासत में लिया था। बाद में 26 नवंबर 2005 को अहमदाबाद के पास पुलिस मुठभेड़ में उसे मार गिराया गया। पुलिस ने दावा किया था कि वह आतंकवादी था और किसी बड़े हमले की साजिश रच रहा था। सीबीआई की जांच में आरोप लगाया गया कि यह एनकाउंटर फर्जी था। जांच एजेंसी के मुताबिक सोहराबुद्दीन की पत्नी कौसर बी को भी बाद में मार दिया गया और शव जला दिया गया। इसके बाद दिसंबर 2006 में तुलसीराम प्रजापति की भी गुजरात-राजस्थान सीमा के पास कथित एनकाउंटर में मौत हो गई। सीबीआई का दावा था कि तुलसीराम इस पूरे घटनाक्रम का अहम गवाह था, इसलिए उसे रास्ते से हटाया गया।

सुप्रीम कोर्ट की एंट्री और CBI जांच

मामले ने राष्ट्रीय राजनीति और पुलिस व्यवस्था को झकझोर दिया था। सोहराबुद्दीन के भाई रुबाबुद्दीन शेख ने सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया में याचिका दायर की थी। जनवरी 2010 में सुप्रीम कोर्ट ने जांच गुजरात पुलिस से लेकर सीबीआई को सौंप दी। बाद में निष्पक्ष सुनवाई सुनिश्चित करने के लिए ट्रायल गुजरात से मुंबई ट्रांसफर किया गया।

किन-किन बड़े नामों पर लगे आरोप?

इस केस में गुजरात और राजस्थान के कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी आरोपी बनाए गए थे। इनमें आईपीएस अधिकारी डी.जी. वंजारा, दिनेश एम.एन., राजकुमार पंडियन समेत कई अफसर शामिल थे। तत्कालीन गुजरात गृह राज्य मंत्री अमित शाह का नाम भी सीबीआई की चार्जशीट में आया था। हालांकि 2014 में विशेष अदालत ने सबूतों के अभाव में उन्हें डिस्चार्ज कर दिया था।

ट्रायल कोर्ट ने क्यों किया था बरी?

मुंबई की विशेष सीबीआई अदालत ने 21 दिसंबर 2018 को सभी 22 आरोपियों को बरी कर दिया था। अदालत ने कहा था कि अभियोजन पक्ष ठोस और भरोसेमंद सबूत पेश नहीं कर सका। कई गवाह मुकर गए थे और बड़ी संख्या में गवाह 'होस्टाइल' हो गए थे। अदालत ने यह भी कहा था कि कथित साजिश साबित नहीं हो सकी। रिपोर्टों के मुताबिक करीब 210 गवाहों में से 90 से ज्यादा गवाह बाद में अपने पुराने बयानों से पलट गए थे।

हाईकोर्ट में कौन-सी अपीलें लगी थीं?

2019 में सोहराबुद्दीन के भाइयों रुबाबुद्दीन और नयाबुद्दीन शेख ने बॉम्बे हाई कोर्ट में अपील दायर कर कहा था कि ट्रायल निष्पक्ष नहीं हुआ और कई अहम गवाहों के बयान सही तरीके से रिकॉर्ड नहीं किए गए। उन्होंने दोबारा ट्रायल की मांग भी की थी। लेकिन 7 मई 2026 को हाई कोर्ट ने इन अपीलों को खारिज करते हुए ट्रायल कोर्ट का फैसला कायम रखा।

नेताओं पर फूटा गुस्सा, वकील बोले-छोड़ो 7 तारीख का इंतजार, अब करो आर या पार!!

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर में हाईकोर्ट बेंच की स्थापना को लेकर कौन कितना गहरे पानी में है इसकी कलई अब खुलती नजर आ रही है। कल सीएम के सामने भाजपा के आला नेताओं और जन प्रतिनिधियों का जो ठंडा रवैया रहा उसने उदयपुर के वकीलों को आक्रोशित कर दिया है। आज इसका असर हाईकोर्ट बैंच के लिए होने वाले मासिक प्रदर्शन में भी देखने को मिला। वक्ताओं ने खुलकर अपनी बात रखी और नेताओं की अपने भाषणों में जमकर खबर ली। साफ व दो टूक कहा कि आंदोलन नेताओं के भरोसे नहीं हो रहा है। अधिवक्ता इस मुद्दे पर बरसों से संघर्ष करते आ रहे हैं व अब निर्णायक संघर्ष के लिए संगठन की एक आवाज पर तैयार और तत्पर हैं। आज वकीलों ने न्यायिक कार्यों का पूरी तरह बहिष्कार किया, जिससे कोर्ट की कार्रवाई पर भी असर हुआ। धरने के दौरान बड़ी संख्या में अधिवक्ता एकत्रित हुए और बारी-बारी से अपनी बात रखते हुए दशकों पुरानी मांग को उदयपुर और संभाग के हक में जरूरी बताया। वक्ताओं ने कल के घटनाक्रम पर आक्रोश जताया व कहा कि अब आंदोलन और तेज किया जाएगा।

घोड़ी पर बैठी दुल्हन बनी विरोध का प्रतीक, बहुजन समाज का जंगी प्रदर्शन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। बहुजन समाज पार्टी की जिला इकाई उदयपुर ने डबोक थाना क्षेत्र के हरियाव गांव में दलित समाज की बेटी पूजा मेघवाल की बिंदोली पर हुए हमले के विरोध में राजस्थान के राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन जिला कलेक्टर उदयपुर के माध्यम से प्रेषित किया गया। इस दौरान बसपा के लोकसभा जॉन प्रभारी एडवोकेट जगदीश चंद्र पाल के नेतृत्व में प्रदर्शन किया गया।

जगदीश चंद्र पाल ने बताया कि 29 अप्रैल 2026 को हरियाव गांव में पूजा मेघवाल की बिंदोली के दौरान कुछ असामाजिक तत्वों ने दूल्हे को घोड़ी से उतारकर मारपीट और पथराव किया। मामले में डबोक थाना में एफआईआर संख्या 108/2026 दर्ज की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि घटना में कई लोगों की संलिप्तता होने के बावजूद अब तक केवल कुछ आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है, जबकि अन्य आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं। बसपा नेताओं ने इस घटना को मानवता और संविधान के खिलाफ बताते हुए दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी तथा पीड़ित परिवार को सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की। इस अवसर पर बसपा नेता सी पी खटीक ने कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर द्वारा दिए गए संवैधानिक अधिकारों के बावजूद दलित समाज पर अत्याचार की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। उन्होंने सरकार से दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने की मांग की। उदयपुर में बुधवार को हरियाव गांव की घटना को लेकर बहुजन समाज का आक्रोश सड़कों पर दिखाई दिया। भीम आर्मी के बैनर तले विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा विशाल रैली एवं धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। पीड़ित दुल्हन को घोड़ी पर बैठाकर टाउन हॉल से निकाली गई रैली प्रदर्शन का मुख्य आकर्षण रही। यह रैली शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए जिला कलेक्ट्रेट पहुंची, जहां प्रदर्शनकारियों ने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि मेघवाल समाज की बिंदोली को रोककर दुल्हन को घोड़ी से नीचे उतार दिया गया तथा समाज के लोगों के साथ मारपीट की गई। घटना के बाद से समाज में भारी रोष व्याप्त है। रैली में शामिल लोगों ने मामले में शामिल शेष आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी एवं सख्त कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे और भजनलाल शर्मा सहित जिला प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की गई।

कल्याणपुर थाना पुलिस ने लंबे समय से फरार स्थायी वारंटी को दबोचा

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 7 मई। उदयपुर जिले में वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे "सुदर्शन चक्र-2" अभियान के तहत कल्याणपुर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लंबे समय से फरार चल रहे एक स्थायी वारंटी को गिरफ्तार किया है। महानिरीक्षक पुलिस उदयपुर रेंज के निर्देश पर जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई। अभियान की मॉनिटरिंग अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खेरवाड़ा श्रीमती अंजना सुखवाल तथा ऋषभदेव वृत्ताधिकारी राजीव राहर के सुपरविजन में की गई। कल्याणपुर थानाधिकारी मुंगलाराम के नेतृत्व में गठित टीम ने कार्रवाई करते हुए स्थायी वारंटी पप्पू उर्फ महेश पुत्र कना उर्फ कनु निवासी सकलाल, थाना पहाड़ा, जिला उदयपुर को गिरफ्तार किया। आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। कार्रवाई में थानाधिकारी मुंगलाराम के साथ हेड कांस्टेबल दिलीपसिंह, कांस्टेबल हितेश, महेंद्रसिंह, दिग्विजयसिंह तथा मुकेश कुमार की विशेष भूमिका रही।

ऐतिहासिक और सांस्कृतिक आलेखों से समृद्ध है अक्षय लोकजन पत्रिका : डॉ. महला

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 7 मई। डॉ. मनोज कुमार महला ने कहा कि अक्षय लोकजन पत्रिका भारतीय महापुरुषों के जीवन प्रसंगों, धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व के आलेखों से परिपूर्ण होती है। इसका लाभ बालकों से लेकर प्रौढ़ पाठकों तक सभी को मिलता है। वे पत्रिका के एकादश वर्ष के द्वितीय अंक (अप्रैल–मई–जून) के विमोचन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। डॉ. महला वर्तमान में राजस्थान कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता हैं। इस अवसर पर पत्रिका के प्रकाशक जय किशन चौबे ने बताया कि नवीन अंक में "तिब्बत की शीर्ष धरा और वेद", महाराणा भूपाल सिंह, वीर सावरकर, "लोकतंत्र महान कैसे बने", "भारतवर्ष विश्व गुरु — ज्ञान, विज्ञान, कला, साहित्य और संस्कृति के परिप्रेक्ष्य में", बाल-जगत, चित्रकला तथा भारतीय व्रत-त्योहारों से संबंधित सामग्री प्रकाशित की गई है। पत्रिका के संपादक मनोहर लाल मून्दड़ा ने बताया कि अंक में छोटे-छोटे प्रसंगों के माध्यम से प्रेरक कथाएं भी शामिल की गई हैं, जिनमें भगवान झूलेलाल, श्री रामानुचार्य और भगवान परशुराम से जुड़े प्रसंग प्रमुख हैं। उन्होंने बताया कि पत्रिका का आगामी विशेषांक "हारे का सहारा खाटू श्याम" विषय पर प्रकाशित किया जाएगा, जो धर्म, संस्कृति और विज्ञान से जुड़ी सामग्री से समृद्ध होगा। कार्यक्रम में डॉ. दीपांकर चक्रवर्ती, घीसूलाल मेघवाल, सुरेश तम्बोली तथा नरेन्द्र उपाध्याय सहित कई गणमान्यजन उपस्थित रहे।

हरिद्वार में विसर्जित अस्थियों की आत्माओं की शांति हेतु यज्ञ आयोजित

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। मेवाड़ प्रताप सेवा ट्रस्ट द्वारा इस वर्ष हरिद्वार में विसर्जित 158 अस्थियों की आत्माओं की शांति एवं मोक्ष प्राप्ति के लिए गंगू कुंड महासतियां पर भव्य यज्ञ कार्यक्रम आयोजित किया गया। ट्रस्ट के जिला मंत्री राकेश पालीवाल ने बताया कि अस्थि विसर्जन के लिए दो बसों के माध्यम से परिवारजन हरिद्वार गए थे, जहां गंगा मैया हर की पौड़ी पर हिंदू रीति-रिवाजों एवं विद्वान पंडितों के सानिध्य में पूजा-अर्चना कर अस्थियों का विसर्जन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मनोहर चौधरी (पूर्व पार्षद) थे, जबकि विशिष्ट अतिथियों में महेश भावसार, मोहन सालवी, रमेश लालवानी, गोपाल सालवी, राकेश और लाला सालवी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जगदीशराज श्रीमाली, प्रदेश अध्यक्ष इंटक, ने की। मनोहर चौधरी ने कहा कि मेवाड़ प्रताप सेवा ट्रस्ट मेवाड़ का पहला ऐसा संगठन है, जो पिछले 26 वर्षों से गौशाला अशोक नगर एवं असहाय परिवारों की अस्थियों को हरिद्वार ले जाकर विधिवत विसर्जन करवा रहा है। उन्होंने इसे अत्यंत पुण्य का कार्य बताया। अध्यक्षीय उद्बोधन में जगदीशराज श्रीमाली ने ट्रस्ट के कार्यों की सराहना करते हुए आमजन से संगठन से जुड़े रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उपस्थित भामाशाह स्निग्धा भानात का महिला अध्यक्ष मंजु गहलोत द्वारा उपरणा एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। यज्ञ के दौरान परिजन आहुतियां देते समय भावुक नजर आए। ट्रस्ट के संस्थापक लाला सालवी ने बताया कि अब तक लगभग 5000 अस्थियों का हरिद्वार में विसर्जन किया जा चुका है तथा इन दिवंगत आत्माओं का श्राद्ध गया जी में करवाने की भी घोषणा की गई है। कार्यक्रम के अंत में जिला अध्यक्ष ओंकार जोशी ने आभार व्यक्त किया। यज्ञ के पश्चात गंगा प्रसादी का आयोजन हुआ, जिसमें लगभग 500 महिला एवं पुरुष शामिल हुए। इस अवसर पर नरेंद्र मनौती, बलवंत सालवी, सुनील अहीर, शेर सिंह राठौड़, खुशलेन्द कुमावत, तीर्थपाल सिंह, प्रीतम सिंह, सुरेन्द्र सोनी, पीसी खींची, नरोत्तम गौड़, हेमलता, सुमन, रानी भाटिया, प्रदीप गर्ग, प्रेमराज माली, सतीश सालवी एवं पंडित मुकेश मोड़ सहित कई लोगों ने सहयोग प्रदान किया। यज्ञ का संचालन विद्वान पंडित गोपाल पालीवाल के सानिध्य में संपन्न हुआ।

निगम में प्रदर्शन के बहाने शहर कांग्रेस ने री-बूट किया अपना पॉलिटिकल सिस्टम

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में गुरुवार को नगर निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार, अव्यवस्थाओं और शहर की बदहाल मूलभूत सुविधाओं के विरोध में नगर निगम परिसर में धरना-प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नगर निगम आयुक्त का घेराव कर ज्ञापन सौंपा। कार्यक्रम का नेतृत्व शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष फतह सिंह राठौड़ ने किया। प्रदर्शन के बहाने कांग्रेस ने अपना बहुत धीमा चल रहा अपना पॉलिटिकल स्सिटम भी रीबूट किया व अपनी ताकत को तौला। मुद्दे कई उठे, अब देखना है कि आगे उन पर कांग्रेस का क्या रूख रहता है।

धरना-प्रदर्शन को संबोधित करते हुए फतह सिंह राठौड़ ने कहा कि नगर निगम पूरी तरह विफल साबित हुआ है और शहर की जनता मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब जनता के हक की लड़ाई को लेकर सड़कों पर संघर्ष करेगी और नगर निगम की जनविरोधी नीतियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कांग्रेस नेताओं ने आयड़ नदी विकास कार्य में कथित भ्रष्टाचार और करोड़ों रुपए की बर्बादी का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। राठौड़ ने आरोप लगाया कि आयड़ नदी विकास के नाम पर जनता का पैसा पानी की तरह बहाया गया, लेकिन धरातल पर कोई परिणाम दिखाई नहीं दिया। उन्होंने कहा कि एक बारिश में ही विकास कार्यों की पोल खुल गई। इस मामले में जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई।

धरने में नगर निगम के चर्चित 272 प्लॉट प्रकरण को भी गंभीर भ्रष्टाचार बताते हुए दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई गई। ज्ञापन में गुलाब बाग रेल संचालन में अनियमितताओं का मुद्दा भी उठाया गया। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि निर्धारित स्टेशन के बजाय दूधतलाई मार्ग से रेल संचालन किया जा रहा है तथा गेट खोलकर अवैध रूप से ऑटो की एंट्री करवाई जा रही है। साथ ही बिना अनुमति कैंटीन संचालन का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की गई। कांग्रेस नेताओं ने शहर की टूटी और जर्जर सड़कों, पर्यटन स्थलों की बदहाली, सफाई व्यवस्था की विफलता और आमजन को पट्टे जारी नहीं किए जाने के मुद्दे पर भी नगर निगम प्रशासन को घेरा। ज्ञापन में कहा गया कि विश्व प्रसिद्ध पर्यटन नगरी उदयपुर की छवि नगर निगम की लापरवाही से लगातार खराब हो रही है।

नेताओं ने सफाई व्यवस्था को पूरी तरह चरमराई हुई बताते हुए सफाई निरीक्षक सत्यनारायण शर्मा को जनप्रतिनिधियों के फोन उठाने और नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश देने की मांग भी उठाई।

धरना-प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने नगर विधायक की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए और कहा कि उनका ध्यान शहर के विकास पर नहीं है, जिसके कारण उदयपुर का विकास ठप हो गया है। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

कार्यक्रम का संचालन शहर जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री दिनेश कुमार दवे ने किया।

प्रवक्ता शिव शंकर मेनारिया ने बताया कि धरना-प्रदर्शन में त्रिलोक पुर्बिया, सुरेश श्रीमाली, गोपाल कृष्ण शर्मा, पंकज शर्मा, जगदीश राज श्रीमाली, दिनेश श्रीमाली, डा. दरियाव सिंह चुंडावत, प्रो. पी.आर. व्यास, अरुण टांक, के.के. शर्मा, शराफत खान, हरीश शर्मा, सोमेश्वर मीणा, अजय सिंह, खूबी लाल मेनारिया, दलपत सिंह चुंडावत, राजीव सुवालका, दीपक सुखाड़िया, सुधीर जोशी, दीपक व्यास, लोकेश चौधरी, मोहम्मद अयूब, सुनील रॉजर्स, राजेश जैन, तीरथ सिंह खेरलिया, मोहसिन खान, प्रशांत श्रीमाली, विनोद पानेरी, राजेंद्र शर्मा, राजेंद्र दशोरा, चंदा सुवालका, पंकज पालीवाल, सिद्धार्थ सोनी, अमित श्रीवास्तव, माया सुराणा, सविता राव, तरीका भानु प्रताप, हर्षवर्धन सिंह केलावत, सुरेश सोलंकी, नजमा मेवाफरोश, देवेंद्र माली, रईस खान, फारूख कुरैशी, शैलेंद्र औदीच्य, गौरव प्रताप सिंह, रेखा डांगी, शंकर चंदेल, नेहा कुमावत, शहनाज हुसैन, हिदायतुल्लाह अली असगर, ऋतुराज मिश्रा, श्याम सुंदर गुर्जर, महेश धन्नावत, सत्यनारायण टांक, मयंक खमेसरा, अमित सुवालका, शहजाद खान, यशवंत पालीवाल, राकेश जोशी, रियाज हुसैन, गोपाल राय नागर, पंकज सुखवाल, जगदीश जलानिया, महेश मेनारिया, भगवती लाल साहू, शीला मीणा, धर्मेंद्र राजोरा और सूर्य प्रकाश उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

फर्जी ट्रेडिंग ऐप से 92.75 लाख की साइबर ठगी, एक और आरोपी गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

जयपुर 07 मई। फर्जी ट्रेडिंग ऐप के जरिए लाखों रुपये का मुनाफा दिलाने का झांसा देकर 92 लाख 75 हजार रुपये की साइबर ठगी करने के मामले में साइबर थाना बारां पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस मामले में अब तक कु ल चार आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस जांच में सामने आया कि ठगी का नेटवर्क बैंक खातों और फर्जी दस्तावेजों के जरिए संचालित किया जा रहा था।

पुलिस अधीक्षक बारां अभिषेक अंदासु ने बताया कि फरियादी विष्णु गालव निवासी बारां ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि सितंबर 2025 में मैसेंजर ऐप के माध्यम से एक महिला ने खुद को हरमन कौर बताकर संपर्क किया। आरोपी महिला ने खुद को बेंगलुरु की एक कंपनी में कार्यरत बताकर विश्वास में लिया और बाद में टेलीग्राम के जरिए एक ट्रेडिंग ऐप से जोड़ दिया।

शुरुआत में आरोपी ने निवेश पर 54 हजार रुपये का लाभ दिखाकर भरोसा कायम किया। इसके बाद फरियादी और उसकी पत्नी से अलग-अलग किश्तों में लाखों रुपये निवेश करवाए गए। जब पीड़ित ने राशि निकालने की कोशिश की तो फॉरेन मनी एक्सचेंज फीस और ट्रेडिंग फीस के नाम पर अतिरिक्त रकम जमा कराने का दबाव बनाया गया। इसी दौरान पीड़ित को साइबर ठगी का एहसास हुआ।

पीड़ित के अनुसार अक्टूबर से दिसंबर 2025 के बीच उसके और उसकी पत्नी के बैंक खातों से विभिन्न बैंकों के जरिए कु ल 92.75 लाख रुपये ट्रांसफर करवा लिए गए। शिकायत पर साइबर थाना बारां में भारतीय न्याय संहिता और आईटी एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश चौधरी के सुपरविजन और पुलिस उप अधीक्षक साइबर अशोक चौधरी के नेतृत्व में गठित टीम ने बैंक खातों की डिटेल, ट्रांजेक्शन हिस्ट्री और तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने सामाजिक संस्था के नाम पर बैंक खाते खुलवाकर उन्हें साइबर ठगी के लिए इस्तेमाल किया।

अनुसंधान में यह भी उजागर हुआ कि आरोपियों ने समाज सेवा और चंदा दिलाने के नाम पर लोगों को झांसे में लेकर बैंक खाते खुलवाए और उनके पासबुक, एटीएम, सिम कार्ड अपने कब्जे में ले लिए। बाद में इन्हीं खातों का उपयोग साइबर ठगी की रकम ट्रांसफर करने के लिए किया गया। यह रकम आगे मुंबई और दुबई तक पहुंचाई जाती थी।

पुलिस ने इस मामले में चार्ल्स रोडरिग पुत्र सिरील जोसेफ निवासी कटनी, मध्यप्रदेश को प्रोडक्शन वारंट के जरिए जिला जेल कटनी से गिरफ्तार किया। आरोपी पहले से ही एक अन्य ठगी के मामले में जेल में बंद था। पूछताछ में उसने बैंक खातों के दुरुपयोग और साइबर नेटवर्क से जुड़े अहम खुलासे किए हैं।

इस गिरोह के तार अंतरराज्यीय और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से जुड़े हो सकते हैं। मामले में अन्य सहयोगियों की तलाश जारी है और आगे और गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

पुलिस टीम में पुलिस उप अधीक्षक अशोक चौधरी, उप निरीक्षक सुकेन्द्र सिंह, हेड कांस्टेबल दिग्विजय सिंह, कांस्टेबल लोकेश और करतार सिंह की विशेष भूमिका रही।

बांसवाड़ा की माही नदी हादसे में 48 घंटे बाद मिले युवक और मासूम के शव

24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा। बांसवाड़ा जिले में माही नदी में नाव पलटने के हादसे के 48 घंटे बाद गुरुवार को लापता 21 वर्षीय युवक और 8 वर्षीय मासूम के शव बरामद कर लिए गए। हादसे के बाद से लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा था। गुरुवार सुबह एसडीआरएफ टीम ने हादसे वाली जगह पर मशीनों और नाव की मोटर से पानी में वाइब्रेशन कर जाल डाला। कुछ देर बाद जयेश (21) पुत्र कचरा तीरगर का शव जाल में फंस गया, जिसे बाहर निकाला गया। इसके बाद दोबारा सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया और करीब 100 मीटर दूरी पर मानव (8) पुत्र नाथू का शव भी पानी में तैरता हुआ मिल गया। रेस्क्यू के दौरान हादसे में पलटी नाव भी बरामद कर ली गई।

माही नदी में पलटी थी नाव

जानकारी के अनुसार मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे माही नदी में एक नाव अनियंत्रित होकर पलट गई थी। हादसा अरथूना थाना क्षेत्र की पांचवाड़ा पंचायत के भैंसाउ गांव में हुआ था। नाव में कुल 11 लोग सवार थे, जिनमें नाविक सहित 9 लोग तैरकर सुरक्षित बाहर निकल आए थे, जबकि जयेश और मानव लापता हो गए थे। मानव मोटागांव थाना क्षेत्र के चंदूजी का गढ़ा गांव का निवासी था। वह अपने मामा लालशंकर के घर भाणो का पाड़ा आया हुआ था और संगमेश्वर महादेव के दर्शन के लिए गया था। वहीं जयेश भाणो का पाड़ा का निवासी था।

नाव की मोटर से पानी में किया वाइब्रेशन

मंगलवार से लगातार चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन के बावजूद दोनों के शव नहीं मिल पा रहे थे। ऐसे में गुरुवार को एसडीआरएफ टीम ने देसी तकनीक अपनाई। हादसे वाली जगह के करीब 100 मीटर क्षेत्र में नाव की मोटर चलाकर पानी में तेज वाइब्रेशन किया गया और साथ ही जाल डाला गया। वाइब्रेशन होने के बाद जयेश का शव पानी के ऊपर आया और जाल में फंस गया। इसके बाद लगातार चलाए गए सर्च ऑपरेशन के दौरान दोपहर करीब ढाई बजे मानव का शव भी पानी के ऊपर आ गया।

मंगलवार से चल रहा था रेस्क्यू ऑपरेशन

अरथूना थानाधिकारी विनोद कुमार ने बताया कि हादसे के बाद एसडीआरएफ और नागरिक सुरक्षा की टीम मौके पर पहुंच गई थी। स्थानीय लोगों और मछुआरों की मदद से लगातार तलाशी अभियान चलाया जा रहा था। बुधवार को भी पूरे दिन रेस्क्यू जारी रहा, लेकिन सफलता नहीं मिली। गुरुवार को दोबारा शुरू किए गए सर्च ऑपरेशन में पहले जयेश और फिर मानव का शव बरामद कर लिया गया। दोनों शवों को परतापुर अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया है।

सुविवि में एसएफएबी की चक्की पिसिंग चालू है, अब टाइमिंग में कर दिया भेदभाव, लंच ब्रेक तक नहीं

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में एक बात तो साबित हो गई है कि चाहे जो वीसी हो, चाहे जिसकी सरकार हो, चाहे जिसका प्रभाव हो, चाहे जिसकी चलती हो। एसएफएबी कर्मचारियों के साथ किसी ना किसी बहाने से चक्की पिसिंग एटीट्यूड से बाज नहीं आते। सबको लगता है कि इन अस्थायी कर्मचारियों से जमकर काम लो। ऐसा टाइम टेबल रखो कि जिसमें लंच तक का ब्रेक मत दो, जैसे कि ये सारे कर्मचारी तो मानों पत्थर के बने हैं, संवेदनाएं तो कब की मर चुकी हैं। दूसरी तरफ स्थायी कर्मचारियों को गरमी लगती है, पसीना भी आता है तो उनका टाइम स्लॉट थोड़ा सा ईजी वाला रखो, उनका खयाल रखना ज्यादा जरूरी है। जबकि जग जाहिर है कि काम एसएफएबी वाले ज्यादा कर रहे हैं। डेडिकेशन के मामले में ये रीढ़ की हड्डी है सुविवि की। मगर प्रशासन हमेशा अंधा होता है, उसके आंख नाक और कान वे लोग होते हैं जो हमेशा अपना मतलब साधते हैं। इस बार भी यही दिख् रहा है। गर्मी के मद्देनजर विश्वविद्यालय कार्यालयों के समय में बदलाव करते हुए सुविवि प्रशासन ने नियमित कर्मचारियों और एसएफएबी के तहत कार्यरत सर्विस कंसल्टेंट्स के लिए अलग-अलग समय निर्धारित किए हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा जारी दो अलग आदेशों के बाद कर्मचारियों के बीच नई व्यवस्था को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। कुलसचिव कार्यालय द्वारा 6 मई 2026 को जारी आदेश के अनुसार विभिन्न संघटक महाविद्यालयों, इकाइयों, कार्यालयों एवं विभागों में एसएफएबी के तहत लगाए गए सभी सर्विस कंसल्टेंट्स का कार्यालय समय 1 मई 2026 से 15 जून 2026 तक सुबह 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक निर्धारित किया गया है। यह समय बिना लंच ब्रेक के रहेगा। आदेश में यह भी कहा गया है कि प्रत्येक इकाई में एक नियमित कर्मचारी की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए, ताकि प्रशासनिक कार्य प्रभावित न हों। याने चक्की पिसिंग वाला टाइमिंग। इसके पहले विश्वविद्यालय प्रशासन ने 18 अप्रैल 2026 को नियमित विश्वविद्यालय कार्यालयों के लिए अलग आदेश जारी किया था। इस आदेश के अनुसार 1 मई से 15 जून 2026 तक विश्वविद्यालय के सभी कार्यालय सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक संचालित किए जाएंगे। यह समय भी बिना लंच ब्रेक के रहेगा। याने नियमित का समय कम और बाकी का ज्यादा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सभी कर्मचारियों को निर्धारित समय का कड़ाई से पालन करना होगा। आवश्यकता पड़ने पर कर्मचारियों को दोपहर 1 बजे के बाद भी कार्य के लिए उपलब्ध रहना होगा तथा विश्वविद्यालय कार्य किसी भी स्थिति में प्रभावित नहीं होना चाहिए। इन आदेशों के बाद विश्वविद्यालय में यह चर्चा है कि एसएफएबी कर्मियों का समय नियमित कर्मचारियों की तुलना में अधिक काहे को रखा गया है। जबकि तनख्वाह उनकी ज्यादा है, परिलाभ उनके ज्यादा है। दूसरी तरफ एसएफएबी कर्मचारियों की तो नौकरी तक पर हमेशा तलवार लटकी रहती है। सवाल ये भी है कि क्या प्रशासन इस फर्क को समझेगा, वैसे उम्मीद तो बहुत कम है।

लेकसिटी में बाइक चोर गिरोह हो गया बेखौफ, 3 अलग-अलग इलाकों से मोटरसाइकिलें चोरी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर शहर में वाहन चोर लगातार पुलिस को चुनौती दे रहे हैं। शहर के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में खड़ी तीन मोटरसाइकिलें चोरी होने के मामले सामने आए हैं। सभी मामलों में अज्ञात चोरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। कल ही प्रतापनगर थाना पुलिस ने एक गिरोह पकडा था। मगर अब लगता है कि कई बाइक चोर गिराह शहर में सक्रिय हैं।

हाथीपोल थाना क्षेत्र में एमबी हॉस्पिटल के सामने स्थित बी-ब्लॉक बेसमेंट से एक बाइक चोरी हो गई। दौसा निवासी गौरव कुमार शर्मा ने रिपोर्ट में बताया कि उन्होंने अपनी नीले रंग की स्प्लेंडर बाइक नंबर RJ29SM0862 को 16 अप्रैल की रात पार्क किया था, लेकिन अगले दिन सुबह बाइक गायब मिली। मामले की जांच हैड कांस्टेबल रामखिलाड़ी कर रहे हैं।

इसी थाना क्षेत्र में एक और बाइक चोरी का मामला सामने आया। राजसमंद निवासी मंगलसिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनकी हीरो स्प्लेंडर बाइक नंबर RJ30SN8013, जो महाराणा भूपाल हॉस्पिटल ट्रॉमा सेंटर के सामने खड़ी थी, अज्ञात चोर चुरा ले गए। इस मामले की जांच हैड कांस्टेबल लोकेश कुमार को सौंपी गई है। वहीं प्रतापनगर थाना क्षेत्र में भी बाइक चोरी की वारदात हुई। शिशम घाटी निवासी प्रकाश गमेती ने रिपोर्ट देकर बताया कि उनकी मोटरसाइकिल नंबर RJ27AC7132 को प्रतापनगर चौराहे के पास से अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया। मामले की जांच हैड कांस्टेबल तख्त सिंह कर रहे हैं। तीनों मामलों में पुलिस ने बीएनएस की धारा 303(2) के तहत केस दर्ज कर आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं। लगातार बढ़ रही वाहन चोरी की घटनाओं ने शहरवासियों की चिंता बढ़ा दी है।

आरएसएसबी प्रयोगशाला सहायक सीधी भर्ती परीक्षा 9 व 10 मई को, उदयपुर में 189 केंद्रों पर होगी परीक्षा

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 7 मई। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा आयोजित प्रयोगशाला सहायक सीधी भर्ती परीक्षा-2026 का आयोजन 9 एवं 10 मई को उदयपुर जिले में किया जाएगा। परीक्षा को लेकर जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां पूर्ण कर ली हैं। परीक्षा समन्वयक एवं अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रशासन दीपेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि शनिवार 9 मई को प्रयोगशाला सहायक (भूगोल) सीधी भर्ती परीक्षा-2026 आयोजित होगी। यह परीक्षा प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित की जाएगी। इसके लिए जिले में 65 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें 45 राजकीय एवं 20 निजी केंद्र शामिल हैं। इस दिन कुल 19 हजार 989 अभ्यर्थी सम्मिलित होंगे।

वहीं रविवार 10 मई को दो पारियों में प्रयोगशाला सहायक एवं कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक (विज्ञान) सीधी भर्ती परीक्षा-2026 आयोजित होगी। प्रथम पारी सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा द्वितीय पारी दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक होगी। इसके लिए जिले में 124 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें 43 राजकीय एवं 81 निजी केंद्र शामिल हैं। रविवार को कुल 39 हजार 330 अभ्यर्थी भाग लेंगे। परीक्षा के सफल एवं निष्पक्ष संचालन हेतु नियंत्रण कक्ष जिला कलेक्टर कार्यालय उदयपुर के कक्ष संख्या 126 में स्थापित किया गया है। नियंत्रण कक्ष का दूरभाष नंबर 0294-2413278 है।

प्रशासन ने अभ्यर्थियों से परीक्षा प्रारंभ होने से 60 मिनट पूर्व परीक्षा केंद्र पर पहुंचने की अपील की है। परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल फोन एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स पूर्णतः प्रतिबंधित रहेंगे। बिना ई-एडमिट कार्ड के किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। प्रवेश के समय फेस ऑथेंटिकेशन एवं फ्रिस्किंग की प्रक्रिया अपनाई जाएगी तथा संपूर्ण प्रक्रिया सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड की जाएगी। परीक्षा के दौरान चिन्हित गतिविधियों की वीडियोग्राफी भी करवाई जाएगी।

मजदूर की नाबालिग पुत्री लापता, प्रतापनगर थाने में मामला दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। प्रतापनगर थाना क्षेत्र से एक किशोरी के लापता होने का मामला सामने आया है। मामले में पिता की रिपोर्ट पर पुलिस ने बीएनएस की धारा 137(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार बिहार के कट्टीहार जिले के मनसाही थाना क्षेत्र निवासी फुलचंद पदोराय, जो वर्तमान में उदयपुर के मादड़ी रोड नंबर 5 स्थित एसआर इंडस्ट्रीज क्षेत्र में रहकर मजदूरी करते हैं, ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनकी पुत्री 2 मई की शाम घर से बिना बताए कहीं चली गई और वापस नहीं लौटी। परिजनों ने अपने स्तर पर काफी तलाश की, लेकिन किशोरी का कोई सुराग नहीं लग पाया। इसके बाद प्रतापनगर थाने में मामला दर्ज कराया गया। मामले की जांच हैड कांस्टेबल उम्मेदराम कर रहे हैं। पुलिस आसपास के इलाकों और संभावित ठिकानों पर तलाश में जुटी हुई है।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com
wathsapp : 8852073787

बांसवाड़ा लूट और अपहरण कांड का 12 साल से फरार इनामी आरोपी देहरादून से गिरफ्तार

स्कूल में सिक्योरिटी गार्ड बनकर छिपा था 20 हजार का इनामी बदमाश दिवेश मौर्य

24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 7 मई। राजस्थान पुलिस की सीआईडी क्राइम ब्रांच की स्पेशल टीम ने बांसवाड़ा जिले के चर्चित लूट और अपहरण मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए 12 साल से फरार चल रहे 20 हजार रुपए के इनामी आरोपी दिवेश मौर्य को देहरादून से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी अपनी पहचान छिपाकर एक स्कूल में सिक्योरिटी गार्ड के रूप में नौकरी कर रहा था। सीआईडी सीबी की टीम कुख्यात बदमाशों और इनामी अपराधियों के खिलाफ विशेष अभियान चला रही है। इसी अभियान के तहत वर्ष 2014 से बांसवाड़ा के कोतवाली थाना क्षेत्र में लूट और अपहरण की वारदात में फरार आरोपी की तलाश की जा रही थी। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (अपराध) बिपिन कुमार पाण्डेय के निर्देश पर डीआईजी राशि डोगरा डूडी तथा एएसपी नेहा अग्रवाल के सुपरविजन में विशेष टीम का गठन किया गया। उपनिरीक्षक शैलेन्द्र कुमार के नेतृत्व में टीम को भरतपुर, मेरठ और देहरादून में सूचना संकलन के लिए भेजा गया। जांच के दौरान टीम के सदस्य हेड कांस्टेबल कुलदीप सिंह को मुखबिर से सूचना मिली कि बांसवाड़ा का वांछित अपराधी दिवेश मौर्य देहरादून में छिपकर रह रहा है। तकनीकी विश्लेषण और स्थानीय स्तर पर जांच के बाद पता चला कि उसके हुलिए का व्यक्ति सिक्योरिटी गार्ड के रूप में कार्य कर रहा है। इसके बाद टीम ने देहरादून की विभिन्न सिक्योरिटी एजेंसियों से संपर्क किया।

देहरादून के डीडी स्कूल में कर रहा था नौकरी

गहन जांच में सामने आया कि आरोपी एसआईएस सिक्योरिटी एजेंसी में कार्यरत है और वर्तमान में देहरादून के डीडी स्कूल में सिक्योरिटी गार्ड की ड्यूटी कर रहा है। इस सूचना पर पुलिस टीम ने गढ़ी कैंट थाना पुलिस के सहयोग से घेराबंदी कर आरोपी को दबोच लिया। आरोपी की पहचान दिवेश मौर्य पुत्र नंदलाल मौर्य निवासी न्यू वसंत विहार, देहरादून के रूप में हुई।

बीमा कराने के बहाने बुलाकर किया था अपहरण

पुलिस के अनुसार वर्ष 2014 में बांसवाड़ा निवासी एलआईसी एजेंट मनीष संचावत को बीमा कराने के बहाने बाबजी गार्डन के पास बुलाया गया था। वहां दो युवक उसकी कार में बैठे और पिस्तौल दिखाकर उसका अपहरण कर उदयपुर रोड की ओर ले गए। आरोपियों ने उससे नकदी, पर्स और मोबाइल लूट लिया।

रास्ते में चिड़ियावासा के पास मौका मिलते ही मनीष संचावत कार से कूदकर भाग निकला। जांच के दौरान मौके पर मिले सामान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान चिरायु गुप्ता, मोहित गुप्ता और दिवेश मौर्य के रूप में हुई थी। घटना के बाद से आरोपी लगातार अपने ठिकाने बदल रहे थे और अलग-अलग स्थानों पर पहचान छिपाकर रह रहे थे। इसी कारण उनकी गिरफ्तारी पर 20-20 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। फिलहाल दिवेश मौर्य को गिरफ्तार कर बांसवाड़ा कोतवाली पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है। पुलिस उससे अन्य वारदातों और फरार साथियों के संबंध में पूछताछ कर रही है। बाकी आरोपियों की तलाश जारी है।

इन पुलिसकर्मियों की रही अहम भूमिका

इस पूरे ऑपरेशन में उपनिरीक्षक शैलेन्द्र कुमार, हेड कांस्टेबल बृजेश कुमार, कुलदीप सिंह तथा कांस्टेबल सोहनदेव यादव की विशेष भूमिका रही।

23 साल से फरार, 25 हजार का 75 साल का इनामी डोडा चूरा तस्कर गिरफ्तार, पशु खरीदार बन गांव में डेरा डाल पुलिस ने आरोपी को दबोचा

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 7 मई। उदयपुर जिले की गोगुंदा थाना पुलिस ने "सुदर्शन चक्र-2" अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए डोडा चूरा तस्करी के मामले में पिछले 23 साल से फरार चल रहे 25 हजार रुपए के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए वर्षों तक अलग-अलग राज्यों में पहचान छिपाकर रह रहा था। महानिरीक्षक पुलिस उदयपुर रेंज के निर्देशन एवं जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के मार्गदर्शन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय गोपाल स्वरूप मेवाड़ा तथा गिर्वा वृत्ताधिकारी गोपाल चंदेल के सुपरविजन में यह कार्रवाई की गई। गोगुंदा थानाधिकारी श्याम सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने 23 साल से फरार इनामी आरोपी जोधाराम पुत्र कानाराम, उम्र 73 वर्ष, निवासी चौधरियों की ढाणी, पूनासा, थाना भीनमाल, जिला जालोर को गिरफ्तार किया। आरोपी डोडा चूरा तस्करी के मामले में लंबे समय से फरार चल रहा था और उस पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित था। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए युवावस्था में गुजरात, मुंबई और बेंगलुरु सहित कई स्थानों पर मजदूरी करता रहा। हाल के दिनों में वह रिश्तेदारों के यहां रहकर लगातार पुलिस को चकमा दे रहा था। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए गठित टीम को मुखबिर तंत्र से सूचना मिली कि जोधाराम अपने रिश्तेदार की शादी में शामिल होने गांव आया हुआ है। इस पर पुलिस टीम ने रणनीति बनाते हुए तीन दिन तक गांव में पशु खरीदार बनकर डेरा डाला। जैसे ही आरोपी अपने घर पहुंचा, टीम ने घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने आरोपी को अनुसंधान के बाद न्यायिक अभिरक्षा में भिजवा दिया है। कार्रवाई में थानाधिकारी श्याम सिंह के साथ हेड कांस्टेबल चरण सिंह, कांस्टेबल रामस्वरूप तथा थाना सायरा के कांस्टेबल नरपतराम की विशेष भूमिका रही।

"सुदर्शन चक्र-2" अभियान में माण्डवा थाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 9 साल से फरार स्थायी वारंटी गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 7 मई। उदयपुर जिले में वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे "सुदर्शन चक्र-2" अभियान के तहत माण्डवा थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नौ साल से फरार चल रहे स्थायी वारंटी को गिरफ्तार किया है। महानिरीक्षक पुलिस उदयपुर रेंज के निर्देशन एवं जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के मार्गदर्शन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय गोपाल स्वरूप मेवाड़ा तथा कोटड़ा वृत्ताधिकारी डूंगर सिंह के सुपरविजन में यह कार्रवाई की गई।

माण्डवा थानाधिकारी चन्द्रपाल सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने थाना माण्डवा के प्रकरण संख्या 57/2015 धारा 394, 341, 323 एवं 34 भादंसं में नौ साल से फरार चल रहे स्थायी वारंटी राजू पुत्र लिम्बा निवासी गोपाला बेड़ा, थाना रोहिड़ा, जिला सिरोही को गिरफ्तार किया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। कार्रवाई में सहायक उपनिरीक्षक हेमेन्द्र, कांस्टेबल चेलाराम, भरत, लक्ष्मण एवं सोहनलाल की विशेष भूमिका रही। पुलिस ने कांस्टेबल चेलाराम के विशेष योगदान की सराहना की है।

चार माह से फरार बाइक चोर गिरफ्तार, चोरी की मोटरसाइकिल बरामद

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 7 मई। उदयपुर जिले के बाघपुरा थाना पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए चार माह से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी की गई बाइक बरामद की है। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खेरवाड़ा श्रीमती अंजना सुखवाल एवं झाड़ोल वृत्ताधिकारी विवेकसिंह के सुपरविजन में यह कार्रवाई की गई। बाघपुरा थानाधिकारी वेलाराम के नेतृत्व में गठित टीम ने आसूचना एवं तकनीकी सहयोग के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी नरेन्द्र सिंह पुत्र समृत, उम्र 21 वर्ष, निवासी खाटीकमदी, थाना बाघपुरा, जिला उदयपुर को गिरफ्तार किया। आरोपी मोटरसाइकिल चोरी के मामले में पिछले चार माह से फरार चल रहा था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की गई मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली है। मामले में अग्रिम अनुसंधान जारी है। कार्रवाई में थानाधिकारी वेलाराम के साथ उपनिरीक्षक प्रवीण कुमार, कांस्टेबल महेन्द्र सिंह, बृजकुमार, जीवत राम एवं सुरेन्द्र सिंह की विशेष भूमिका रही।

भीलवाड़ा में बजरी से भरे डंपर ने बाइक सवार तीन दोस्तों को कुचला, एक की मौत

24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा, 7 मई। सदर थाना क्षेत्र में सावाईपुर के पास बुधवार देर रात बजरी से भरे तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार तीन दोस्तों को कुचल दिया। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद अस्पताल पहुंचे ग्रामीणों और परिजनों ने बजरी माफिया के खिलाफ जमकर विरोध-प्रदर्शन किया और प्रशासन से सख्त कार्रवाई तथा मुआवजे की मांग की। जानकारी के अनुसार हादसा बुधवार रात करीब 12 बजे हुआ। तीनों युवक भीलवाड़ा शहर में कपड़े की दुकान पर काम खत्म करने के बाद अपने गांव पोंडरास लौट रहे थे। इसी दौरान सावाईपुर के पास तेज रफ्तार बजरी से भरे डंपर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में बाइक चला रहे किशन सिंह (25) का सिर फट गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। सड़क पर खून फैल गया। वहीं नरेंद्र सिंह (28) और करण सिंह (27) गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों के पैरों में गंभीर फ्रैक्चर होने पर उन्हें भर्ती कर उपचार शुरू किया गया है। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को निजी वाहन से महात्मा गांधी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने किशन सिंह को मृत घोषित कर दिया।

मॉर्च्युरी के बाहर ग्रामीणों का प्रदर्शन

हादसे की सूचना मिलते ही गुरुवार सुबह बड़ी संख्या में ग्रामीण और परिजन महात्मा गांधी अस्पताल की मॉर्च्युरी के बाहर एकत्र हो गए और प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में अवैध बजरी से भरे वाहन तेज रफ्तार से दौड़ते हैं, जिससे आए दिन हादसे हो रहे हैं।

आर-कैट क्विज़-ए-थॉन मई 2026 के लिए रजिस्ट्रेशन प्रारम्भ, तकनीकी कोर्सेज में मिलेगी 100 प्रतिशत तक स्कॉलरशिप

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 7 मई। राजस्थान सरकार की पहल, राजस्थान सेंटर ऑफ एडवांस्ड टेक्नोलॉजी (आर-सीएटी) ने अपने आगामी क्विज-ए-थॉन मई 2026 के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के युवाओं को उभरती हुई तकनीकों (इमर्जिंग टेक्नोलॉजिस) में प्रशिक्षित कर उन्हें उद्योग के लिए तैयार करना है। प्रभारी अधिकारी जीवनराम मीना ने बताया कि क्विज़-ए-थॉन में सफल होने वाले छात्रों को आर-कैट द्वारा संचालित प्रीमियम तकनीकी पाठ्यक्रमों जैसे डेटा एनालिटिक्स, क्लाउड कंप्यूटिंग, सिस्टम एडमिंस्ट्रेशन, बिज़नेस एनालिस्ट और यूआई डिज़ाइन आदि पर 100 प्रतिशत तक की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। स्नातक, तकनीकी स्नातक, स्नातकोत्तर या आईटी क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थ इस क्विज में भाग ले सकते हैं। परीक्षा में मुख्य रूप से लॉजिकल रीजनिंग और एप्टीट्यूड से संबंधित सवाल पूछे जाते हैं। इच्छुक अभ्यर्थ आधिकारिक वेबसाइट आरसीएटी-राजस्थान डॉट जीओवी डॉट इन पर जाकर या अपने एसएसओ आईडी के माध्यम से पंजीकरण कर सकते हैं। पंजीकरण की अंतिम तिथि 13 मई 2026 है तथा परीक्षा 20 मई से 22 मई 2026 तक उदयपुर के विभिन्न कॉलेजेस में आयोजित की जाएँगी।मॉर्च्युरी के बाहर ग्रामीणों का प्रदर्शन हादसे की सूचना मिलते ही गुरुवार सुबह बड़ी संख्या में ग्रामीण और परिजन महात्मा गांधी अस्पताल की मॉर्च्युरी के बाहर एकत्र हो गए और प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में अवैध बजरी से भरे वाहन तेज रफ्तार से दौड़ते हैं, जिससे आए दिन हादसे हो रहे हैं।

डूंगरपुर में महिला दुकानदार से चेन स्नेचिंग, 2 तोले सोने की चेन तोड़कर फरार हुए बदमाश

24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर, 7 मई। कुआं थाना क्षेत्र के कुआं गांव में दिनदहाड़े महिला दुकानदार से चेन स्नेचिंग की वारदात सामने आई है। बाइक सवार दो बदमाश सामान खरीदने के बहाने दुकान में पहुंचे और महिला के गले से करीब 2 तोले सोने की चेन तोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार कुआं गांव निवासी गंगा देवी कलाल गांव में कंगन स्टोर नाम से दुकान संचालित करती हैं। गुरुवार दोपहर बाइक सवार दो युवक मुंह पर मास्क लगाकर उनकी दुकान पर पहुंचे। इनमें से एक युवक दुकान के अंदर गया और महिला से टॉप्स दिखाने के लिए कहा।

जब महिला दुकानदार सामान लेने के लिए पीछे मुड़ी, तभी युवक ने उनके गले में पहनी हुई करीब 2 तोले सोने की चेन झपट ली और बाहर खड़े साथी के साथ बाइक पर फरार हो गया।

महिला के शोर मचाने पर आसपास मौजूद लोगों ने बदमाशों का पीछा भी किया, लेकिन वे हाथ नहीं आए। घटना की सूचना मिलने पर रघुवीर सिंह के नेतृत्व में कुआं थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया।

पुलिस ने महिला की रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है तथा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और अन्य सुरागों के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

पशुपालन मंत्री के जन्मदिवस पर उदयपुर में 'पशु सेवा संकल्प दिवस'. गौशालाओं में लगे चिकित्सा शिविर

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर में बुधवार को पशुपालन, डेयरी एवं गौपालन मंत्री जोराराम कुमावत का जन्मदिवस "पशु सेवा संकल्प दिवस" के रूप में मनाया गया। मेवाड़ पशुचिकित्सक संघ के आह्वान पर शहर की विभिन्न गौशालाओं में पशु चिकित्सा एवं बांझपन निवारण शिविर आयोजित किए गए। शिवशंकर गौशाला कलड़वास, अपना घर गौशाला परशुराम चौराहा, मोक्षधाम अशोक नगर गौशाला तथा पशुपतिनाथ गौशाला बलीचा में अलग-अलग टीमों ने शिविर लगाए। डॉ. महेन्द्र मेहता, डॉ. मुकेश नागौरी, डॉ. अंकेश जैन, डॉ. योगेश बारोलिया और डॉ. करमेन्द्र प्रताप के नेतृत्व में आयोजित शिविरों में गौवंश का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक उपचार, दवाइयों का वितरण और रोगों की रोकथाम संबंधी परामर्श दिया गया। शिविरों का निरीक्षण अतिरिक्त निदेशक क्षेत्र पशुपालन विभाग उदयपुर डॉ. सुरेश कुमार जैन, उपनिदेशक पॉलीक्लीनिक डॉ. शैलेन्द्र शुक्ला एवं पशुपालन प्रशिक्षण संस्था के वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. ओम साहू ने किया। अधिकारियों ने शिविरों की व्यवस्थाओं और सेवाओं की सराहना की। चारों शिविरों में कुल 171 पशुओं का सामान्य उपचार किया गया, जबकि 48 पशुओं का बांझपन निवारण उपचार किया गया। इसके अलावा 207 पशुओं की डिवॉर्मिंग तथा 60 पशुओं को गलघोंटू रोग से बचाव के टीके लगाए गए। मेवाड़ पशुचिकित्सक संघ के अध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्र शुक्ला ने बताया कि मंत्री जोराराम कुमावत के नेतृत्व में पशुपालन विभाग गौसेवा, पशुधन संरक्षण और ग्रामीण पशुपालकों के हित में लगातार जनकल्याणकारी कार्य कर रहा है। विभाग विभिन्न योजनाओं के माध्यम से पशुपालकों के कल्याण और पशुधन संवर्धन की दिशा में कार्यरत है।

बी.वॉक.(एटीए), बी कॉम ऑनर्स एवं बीबीए प्रोग्राम में प्रवेश हेतु 22 जून को संयुक्त प्रवेश परीक्षा

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। इस वर्ष से मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के त्रिवर्षीय बी वॉक (लेखांकन, कराधान एवं अंकेक्षण) प्रोग्राम तथा चार वर्षीय बी.कॉम ऑनर्स में प्रवेश के लिए विद्यार्थियों को त्रिवर्षीय बीबीए के साथ संयुक्त प्रवेश परीक्षा देनी होगी। परीक्षा में सफल होने पर ही विद्यार्थियों को इस कोर्स में प्रवेश मिल सकेगा। विश्वविद्यालय वाणिज्य एवं प्रबंध महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. शूरवीर सिंह भाणावत ने बताया कि संयुंक्त प्रवेश परीक्षा २२ जून को आयोजित होगी। मेरिट सूची तैयार करने में बारहवीं कक्षा के अंकों का 50 प्रतिशत तथा एंट्रेंस टेस्ट का 50 प्रतिशत भारांक दिया जाएगा। प्रवेश हेतु विद्यार्थियों को पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। उन्होंने बताया कि बी वॉक (एटीए) प्रोग्राम रोजगारोन्मुख एवं कौशल आधारित पाठ्यक्रम है, जिसमें प्रैक्टिकल लेखांकन, प्रैक्टिकल अंकेक्षण, आयकर रिटर्न भरना, प्रैक्टिकल जीएसटी, एम.एस. एक्सेल, प्रैक्टिकल स्टॉक एक्सचेंज, प्रैक्टिकल सांख्यिकी आदि जैसे लगभग 60 प्रतिशत प्रायोगिक विषयों पर विशेष ध्यान दिया जाता है, जबकि शेष 40 प्रतिशत पाठ्यक्रम सैद्धांतिक प्रकृति का है। बी वॉक प्रोग्राम की संयोजक डॉ. आशा शर्मा ने बताया कि प्रत्येक वर्ष विद्यार्थियों के लिए कैंपस प्लेसमेंट आयोजित किए जाते हैं। साथ ही, एक्सटेंशन लेक्चर, टैली एवं जोहो जैसे लेखांकन सॉफ्टवेयर, इंटरव्यू स्किल तथा कम्युनिकेशन स्किल से संबंधित कार्यशालाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को बाजार की मांग के अनुरूप तैयार किया जाता है। छठे सेमेस्टर में विद्यार्थियों को इंटर्नशिप हेतु भेजा जाता है, जहां वे अर्जित ज्ञान का व्यवहारिक उपयोग कर आवश्यक कौशल विकसित करते हैं, जो उन्हें रोजगार के लिए अधिक उपयुक्त बनाता है। बीबीए प्रोग्राम के संयोजक डॉ. शैलेंद्र सिंह राव ने बताया कि विद्यार्थियों की कक्षाओं में नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने हेतु समय-समय पर अभिभावकों को भी सूचित किया जाता है।ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि १० जून २०२६ है। प्रवेश परीक्षा में चार सेक्शन होंगे प्रथम सामान्य ज्ञान द्वितीय करंट अफेयर्स तृतीय जनरल इंग्लिश तथा चतुर्थ सेक्शन गणित का होगा और प्रत्येक सेक्शन से २५ प्रश्न आयेंगे

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।